विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -सप्तम *दिनांक -03-06-2020*

विषय -हिन्दी *शिक्षक -पंकज सर*

सुप्रभात बच्चों आज आप सब कर्मधारय समास एवं द्विगु समास के बारे में अध्ययन करेंगे।

कर्मधारय समास

जिस समास का उत्तरपद प्रधान हो और पूर्वपद व उत्तरपद में विशेषण-विशेष्य अथवा उपमान-उपमेय का संबंध हो वह कर्मधारय समास कहलाता है। जैसे –

समस्त पद	समास-विग्रह	समस्त पद	समास-विग्रह
चंद्रमुख	चंद्र जैसा मुख	कमलनयन	कमल के समान नयन
देहलता	देह रूपी लता	दहीबड़ा	दही में डूबा बड़ा
नीलकमल	नीला कमल	पीतांबर	पीला अंबर (वस्त्र)

सज्जन	सत् (अच्छा) जन	नरसिंह	नरों में सिंह के समान

द्विगु समास

जिस समास का पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण हो उसे द्विगु समास कहते हैं। इससे समूह अथवा समाहार का बोध होता है। जैसे –

समास-विग्रह	समस्त पद	समास विग्रह	
नवग्रह	नौ ग्रहों का समूह	दोपहर	दो पहरों का समाहार
त्रिलोक	तीन लोकों का समाहार	चौमासा	चार मासों का समूह
नवरात्र	नौ रात्रियों का समूह	शताब्दी	सौ अब्दो (वर्षों) का समूह

अठन्नी	आठ आनों का समूह	त्रयम्बकेश्वर	तीन लोकों का ईश्वर

द्वन्द्व समास

द्वन्दव समास के बारे में कल अध्ययन कराया जाएगा।